



उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सुभाष रोड, देहरादून

E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 05 जनवरी, 2019 (सू.ब्यूरो)

प्रेस नोट-02(01/23)

गणतंत्र दिवस परेड-2019 में राजपथ पर निकलेगी उत्तराखण्ड की झांकी "अनासक्ति आश्रम"

• राज्य गठन से अब तक 10 बार गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हो चुकी उत्तराखण्ड की झांकी

गणतंत्र दिवस परेड-2019 में इस बार उत्तराखण्ड की झांकी सभी को आकर्षित करेगी। सूचना विभाग के उप निदेशक एवं राष्ट्रीय समारोह के नोडल अधिकारी श्री के.एस.चौहान ने बताया है कि नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिवर्ष विभिन्न राज्यों की झांकियों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। जिसके लिए रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष राज्य सरकारों व केन्द्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों, विभागों से झांकी के प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। इन प्रस्तावों का परीक्षण रक्षा मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किया जाता है तथा अंतिम रूप से चयनित झांकियों का निर्माण भी विशेषज्ञ समिति की देखरेख में ही किया जाता है।

श्री चौहान ने बताया कि इस वर्ष भारत सरकार द्वारा सभी राज्यों को निर्देश दिये गये थे कि महात्मा गांधी जी की जयंती 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गणतंत्र दिवस की परेड की थीम महात्मा गांधी जी पर आधारित रखी जाए, जिसमें विभिन्न राज्यों में महात्मा गांधी जी के प्रवासी अवधि अथवा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों से संबंधित झांकी को शामिल किया जायेगा, जिससे संबंधित झांकी का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ चयन समिति के समक्ष छः दौर की बैठक में प्रभावी ढंग से प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसके बाद उत्तराखण्ड राज्य की झांकी का अंतिम रूप से चयन किया गया। झांकी का विषय **"अनासक्ति आश्रम"** रखा गया है। झांकी में देवभूमि उत्तराखण्ड में कौसानी, जिसको महात्मा गांधी जी ने **"भारत का स्विटजरलैण्ड"**, कहा था, में स्थित **'अनासक्ति आश्रम'** बहुत ही शांतिपूर्ण स्थान है। महात्मा गांधी जी ने वर्ष 1929 में इस आश्रम का भ्रमण किया था तथा इसी स्थान पर **'अनासक्ति योग'** पुस्तक की समीक्षा लिखी थी। इस आश्रम का संचालन स्थानीय महिलाओं द्वारा किया जाता है। आश्रम में प्रतिदिन सुबह व शाम प्रार्थना सभा आयोजित की जाती है तथा आश्रम को पुस्तकालय व शोध केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। झांकी के अग्रभाग में **अनासक्ति योग** लिखते हुए महात्मा गांधी जी की बड़ी आकृति को दिखाया गया है। मध्य भाग में कौसानी स्थित **अनासक्ति आश्रम** को दिखाया गया है तथा आश्रम के दोनों ओर पर्यटक योग व अध्ययन करते हुए नागरिकों व पण्डित गोविन्द बल्लभ पंत को महात्मा गांधी जी से वार्ता करते हुए दिखाया गया है। झांकी के पृष्ठ भाग में देवदार के वृक्ष, स्थानीय नागरिकों व ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं को दिखाया गया है। साइड पैनल में उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत, जागेश्वर धाम, बद्रीनाथ तथा केदारनाथ मंदिर को दर्शाया गया है।

श्री चौहान ने बताया कि नई दिल्ली में झांकी चयन के लिए पहली बैठक 30 नवम्बर, 2018 को हुई थी, जिसमें 31 राज्यों और 20 मंत्रालयों के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इसके बाद 6 दौर की बैठक एवं प्रस्तुतिकरण के बाद विशेषज्ञ चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से 14 राज्यों एवं 6 मंत्रालयों की झांकी को चयनित किया गया है, जिसमें उत्तराखण्ड भी शामिल है। इन राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, अंडमान एवं निकोबार, दिल्ली, गोवा, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडू, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं पश्चिम बंगाल शामिल है।

श्री चौहान ने बताया कि गत वर्षों में उत्तराखण्ड द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में विभिन्न विषयों पर झांकियों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें वर्ष 2003- फुलदेई, वर्ष 2005-नंदा राजजात, वर्ष 2006-फूलों की घाटी, वर्ष 2007-कार्बेट नेशनल पार्क, वर्ष 2009-साहसिक पर्यटन, वर्ष 2010- कुम्भ मेला हरिद्वार, वर्ष 2014-जड़ी बूटी, वर्ष 2015- केदारनाथ, वर्ष 2016- रम्माण, वर्ष 2018- ग्रामीण पर्यटन रही है। श्री चौहान ने बताया कि अन्य राज्यों के समक्ष अपने राज्य से संबंधित झांकी के चयन के लिए काफी स्पर्धा होती है, जिसके तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुतिकरण दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि राज्य गठन से अब तक 10 बार उत्तराखण्ड की झांकी का राजपथ पर प्रदर्शन हो चुका है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 05 जनवरी, 2019 (सू.ब्यूरो)

प्रेस नोट-01(01/22)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में इलाहाबाद बैंक की जोनल हेड श्रीमती सीमा नारंग ने भेंट कर राज्य के विकास में इलाहाबाद बैंक व राज्य सरकार के बीच प्रभावी समन्वय पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि प्रदेश के विकास में बैंको का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने इलाहाबाद बैंक के अधिकारियों से आधार कार्ड की भांति अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना के तहत लाभार्थियों को गोल्ड कार्ड उपलब्ध कराने में भी सहयोग की अपेक्षा की।

इलाहाबाद बैंक की जोनल हेड श्रीमती सीमा नारंग ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इलाहाबाद बैंक उत्तराखण्ड के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी 41 शाखाओं के माध्यम से सरकारी योजनाओं, गरीबी उन्मूलन, कृषि आधुनिकीकरण व एमएसएमई में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अभी तक पूरे राज्य में इलाहाबाद बैंक द्वारा मुद्रा योजना व स्टैंड अप योजना के तहत 10 करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए हैं। वित्तीय समावेशन पर फोकस करते हुए इलाहाबाद बैंक द्वारा राज्य में 68000 खाते प्रधानमंत्री जनधनयोजना के तहत खोले गए हैं। इसमें आधार सीडिंग, पीएमएसबीवाई योजना पंजीकरण, पीएमजेजेबीवाई योजना पंजीकरण व रूपे कार्ड पर विशेष फोकस किया गया है। राज्य में इसका कुल व्यापार 2018 में 3100 करोड़ रुपये का रहा। इलाहाबाद बैंक राज्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ ही राज्य केन्द्रित योजनाएँ जैसे वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली योजना, एमएसएमई, पण्डित दीनदयाल गृह आवास योजना में भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहा है।

इस अवसर पर बैंक के मुख्य प्रबंधक श्री मान सिंह नेगी, वरिष्ठ प्रबंधक श्री देवेन्द्र काण्डपाल एवं श्री उमेश जोशी आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग